पंजाब केसरी 04/07/2024

जी.एम.एन. कालेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने किया मलेशिया एवं इंडोनेशिया के 4 विश्वविद्यालयों का शैक्षणिक भ्रमण

जी.एम.एन. कालेज के छात्रों और शिक्षकों के लिए शोध एवं विकास के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने पर दिया जोर

अम्बाला, 3 जुलाई (बलराम): छावनी स्थित जी.एम.एन. कालेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने हाल ही में मलेशिया एवं इंडोनेशिया के चार प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों मैनेजमैंट एवं साइंस विश्वविद्यालय, यूनिवर्सिटी ऑफ मलाया, यूनिवर्सिटी मोनाश मलेशिया तथा यूनिवर्सिटी उडयाना, इंडोनेशिया का शैक्षणिक भ्रमण किया। यह दौरा कालेज की शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं वैश्विक संबंधों की मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अपने शैक्षणिक भ्रमण के दौरान मलेशिया और इंडोनेशिया के विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के साथ दस्तावेज का आदान-प्रदान करते जी.एम.एन. कालेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त।

इस शैक्षणिक भ्रमण की जानकारी देते हुए डा. रोहित दत्त ने बताया कि इस दौरे का उद्देश्य शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करना, सहयोगात्मक अनुसंधान के अवसरों का पता लगाना और भारतीय एवं मलेशियाई शैक्षणिक संस्थानों के बीच ज्ञान सांझा करने की सुविधा प्रदान करना था।

अपनी यात्रा के दौरान डा. दत्त ने विश्वविद्यालयों में संकाय सदस्यों, शोधकर्त्ताओं एवं छात्रों के साथ बातचीत की और अपने विचार सांझा किए। इस दौरान उन्होंने अपने व्याख्यान दिए, सैमीनारों में भाग लिया और संभावित सहयोग परियोजनाओं पर चर्चा की।

डा. दत्त का शैक्षणिक भ्रमण अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और भारत, मलेशिया एवं इंडोनेशिया के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उनका यह भ्रमण निस्संदेह इन प्रतिष्ठित संस्थानों में अकादमिक व्यवहार को समृद्ध करेगी।

साझा शैक्षणिक कार्यक्रम के अंतर्गत डा. दत्त ने मलेशिया के विश्वविद्यालयों के साथ संभावित साझेदारी और शैक्षणिक कार्यक्रमों पर चर्चा की।

इस दौरान विभिन्न विषयों पर संयुक्त शोध और छात्र विनिमय कार्यक्रमों की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। शोध और विकास के अंतर्गत डा. दत्त ने मलेशिया एवं इंडोनेशिया के विश्वविद्यालयों में हो रहे नवीनतम शोध कार्यों का अवलोकन किया।

डा. रोहित दत्त ने जी.एम.एन. कालेज के छात्रों एवं शिक्षकों के लिए शोध और विकास के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि संस्कृति और शिक्षा के इस दौरे का एक महत्वपूर्ण पहलू दोनों देशों की संस्कृति और शिक्षा प्रणाली के बीच समझ बढ़ाना था।

उन्होंने बताया कि इस दौरे के परिणामस्वरूप जी.एम.एन. कालेज और इन चारों विश्वविद्यालयों के बीच कई विशिष्ट सहयोग के समझौते होने की संभावना है। उनके इस कदम से कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों को वैश्विक मंच पर अपने कौशल और ज्ञान को प्रदर्शित करने का मौका मिलेगा।